HINDUSTAN TIMES

PU prof honoured for contribution in neurosciences

CHANDIGARH: Rajat Sandhir, professor at Panjab University's department of biochemistry, has been conferred with the "Mrs Abida Mahdi Award–2022" by the Indian Academy of Biomedical Sciences for outstanding contribution in the field of neurosciences. Sandhir is serving on the editorial board of many international journals and is also a fellow of Indian Academy of Neurosciences and Indian Academy of Biomedical Scientists. **HTC**

INDIAN EXPRESS

PU prof bags top award in neurosciences

Chandigarh: Prof Rajat Sandhir from the Department of Bio-Chemistry, Panjab University, has been conferred "Abida Mahdi Award–2022" by the Indian Academy of Biomedical Sciences for outstanding contributions in the field of neurosciences.

His research interests are in understanding the biochemical and molecular mechanisms involved in development of neurodegenerative conditions like metabolic encephalopathies, dementia and brain injury with a particular interest to investigate the role of oxidative stress, mitochondrial dysfunctions and alterations in permeability of blood-brain barrier.

In addition, he is also interested in identifying neuroprotective strategies that could ameliorate neurodegenerative conditions. **ENS**

पीयू फैकल्टी ने न्यूरोसाइंसेस के क्षेत्र में की मान्यता प्राप्त

■ प्रोफेसर रजत संधीर, आबिदा मैहदी पुरस्कार-2022 से सम्मानित

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। जैव-रसायन विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रोफेसर रजत संधीर को न्यूरोसाइंसेस के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज द्वारा आबिदा मैहदी पुरस्कार-2022 से सम्मानित किया गया। ऑक्सीडेटिव तनाव, माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन और रक्त-मस्तिष्क-अवरोध की पारगम्यता में परिवर्तन की भूमिका की जांच करने के लिए एक विशेष रुचि के साथ मेटाबॉलिक एन्सेफैलोपैथी, मनोभ्रंश और मस्तिष्क की चोट जैसी न्यूरोडीजेनेरेटिव स्थितियों के विकास में शामिल जैव रासायनिक और आणविक तंत्र को समझना उनके शोध के हित है। इसके अलावा, उनकी रुचि न्यूरोप्रोटेक्टिव रणनीतियों की पहचान करने में भी है जो न्यूरोडीजेनेरेटिव स्थितियों में सुधार कर सकती है। डॉ. रजत संधीर ने अपनी एमएससी और पीएचडी प्राप्त की है। पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़ से बायोकैमिस्ट्री में डिग्री। वह पंजाब विश्वविद्यालय के जैव रसायन विभाग में दो दशकों से अधिक समय से हैं। उन्होंने कई शीर्ष रैंकिंग पत्रिकाओं में प्रकाशित किया है और एमएससी के दौरान कई छात्रों को सलाह दी है।

DAINIK BHASKAR

चंडीगढ़ भास्कर 10-01-2023

प्रोफेसर रजत संधीर को आबिदा माहदी अवॉर्ड

चंडीगढ़ | पंजाब यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ बायोकैमिस्ट्री में प्रोफेसर रजत संधीर को आबिदा माहदी अवॉर्ड 2022 से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान इंडियन अकेडमी आफ बायोमेडिकल साइंसेज ने न्यूरोसाइंस के एरिया में उनके योगदान की वजह से दिया है। वे बायोकेमिकल और मॉलिक्यूलर मैकेनिज्म पर काम करते हैं, जिसके कारण न्यूरोडीजेनेरेटिव कंडीशन कैसे पैदा होते हैं।

डिमेंशिया और ब्रेन इंजरी के ऊपर ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, माइटोकॉन्ड्रियल डिस्फंक्शन और ब्लड ब्रेन बैरियर को लेकर उनका काम उल्लेखनीय है। प्रो. संधीर ने एमएससी और पीएचडी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर) चंडीगढ़ से की। करीब दो दशक से वे पीयू के डिपार्टमेंट ऑफ बायोकैमिस्ट्री में हैं।

DAINIK JAGRAN

पीयू प्रोफेसर डा. रजत संधीर को प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : पीयू के डिपार्टमेंट आफ बायो केमिस्ट्री में सीनियर प्रोफेसर और साइंटिस्ट प्रो. रजत संधीर को मिसेज अबीदा माधी अवार्ड-2022 के लिए चुना गया है। यह अवार्ड इंडियन एकेडमी आफ बायोमेडिकल साइंसेस की ओर से आउटस्टैंडिंग कंट्रीब्यूशन इन फिल्ड आफ न्यूरोसाइंसेस के लिए हर वर्ष दिया जाता है। प्रो. रजत संधीर बायोकेमिकल एंड मालीक्यूलर मैकेनिजम में काफी शोध कर चुके हैं। ब्रेन इंजरी सहित कई अन्य क्षेत्रों में इनकी रिसर्च का काफी योगदान रहा है। प्रो. रजत संधीर करीब 25 वर्षों से पंजाब यूनिवर्सिटी के साथ जुड़े हुए हैं। इन्होंने पीजीआइ चंडीगढ़ से एमएससी और पीएचडी की डिग्री हासिल की है। पीयू के बायो केमिस्ट्री विभाग के प्रोफेसर डा. रजत संधीर के नेशनल और इंटरनेशनल स्तर पर दो सौ से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

प्रो. रजत संधीर • स्रोत

शोध के मामले में इन्हें प्रतिष्ठित एच इंडेक्स 49 और आइ10 इंडेक्स में 140 स्तर प्राप्त है। यह किसी भी साइंटिस्ट के लिए काफी सम्मान की बात मानी जाती है। देश दुनिया में इन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

PANJAB KESARI

प्रो. रजत संधीर 'आबिदा महदी पुरस्कार-2022' से सम्मानित

चंडीगढ़, 9 जनवरी (रश्मि हंस): पंजाब यूनिवर्सिटी (पी.यू.) की ओर से बायोकैमिस्ट्री विभाग के प्रोफैसर रजत संधीर को न्यूरोसाइंसेस के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमैडीकल साइंसेज द्वारा 'आबिदा महदी पुरस्कार-2022' से सम्मानित किया गया है। उनकी रिसर्च ऑक्सीडेटिव तनाव, माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन और रक्त-मस्तिष्क-अवरोध की पारगम्यता में परिवर्तन की भूमिका की जांच के लिए है।

DAINIK SAVERA

पीयू के प्रो. रजत संधीर न्यूरोसाइंसेस के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए आबिदा महदी पुरस्कार-2022 से सम्मानित

संवेदा न्यूज/ राकेश

चंडीगढ़, 9 जनवरी: पंजाब विश्वविद्यालय के जैव-रसायन विभाग, के प्रोफेसर रजत संधीर को न्यूरोसाइंसेस के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज द्वारा आबिदा महदी पुरस्कार-2022 से सम्मानित किया गया है। ऑक्सीडेटिव तनाव, माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन और रक्त-मस्तिष्क-अवरोध की पारगम्यता में परिवर्तन की भूमिका की जांच करने के लिए एक विशेष रुचि के साथ मेटाबॉलिक एन्सेफैलोपैथी, मनोभ्रंश और मस्तिष्क की चोट जैसी न्यूरोडीजेनेरेटिव स्थितियों के विकास में शामिल जैव रासायनिक और आणविक तंत्र को समझना उनके शोध के लिए है। इसके अलावा, उनकी रुचि न्यूरोप्रोटेक्टिव रणनीतियों की पहचान करने में भी है जो न्यूरोडीजेनेरेटिव स्थितियों में सुधार कर सकती है। डॉ. रजत संधीर ने अपनी एम एससी और पीएचडी प्राप्त की है। पोस्टग्रेजुएट इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़ से बायोकैमिस्ट्री में डिग्री होल्डर हैं। वह पंजाब विश्वविद्यालय के जैव रसायन विभाग में दो दशकों से अधिक समय से हैं। उन्होंने कई शीर्ष रैंकिंग पत्रिकाओं में प्रकाशित किया है और एमएससी के दौरान कई छात्रों को सलाह दी है और पीएच डी. उनके कई छात्र विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में प्रतिष्ठित पदों पर हैं। उनका एच-इंडेक्स 49 और 10 इंडेक्स 140 है। वह कई अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड में सेवारत हैं और इंडियन एकैडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेस और इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंटिस्ट्स के फेलो हैं। वह वर्ष 2021 के लिए केटी शेट्टी मेमोरियल ओरेशन के प्रावक्ता भी रहे हैं। वह कई अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड में रहे हैं।

AMAR UJALA

डॉ. रजत संधीर को मिसेज आबिदा महदी पुरस्कार

माई सिटी रिपोर्टर

पीयू के जैव रसायन विभाग में हैं कार्यरत
न्यूरोसाइंसेज के क्षेत्र में दिया बेहतर योगदान

चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी के जैव रसायन विभाग के प्रोफेसर रजत संधीर को न्यूरोसाइंसेज के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज की ओर से मिसेज आबिदा महदी पुरस्कार-2022 से सम्मानित किया गया है। उन्होंने न्यूरोडीजेनेरेटिव कंडीशन जैसे मेटाबॉलिक एन्सेफैलोपैथी, मनोभ्रंश और मस्तिष्क की चोट में रुचि के साथ ऑक्सीडेटिव तनाव, माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन पर काम किया है।

डॉ. रजत संधीर

डॉ. रजत संधीर की ओर से न्यूरोप्रोटेक्टिव रणनीतियों की पहचान करने पर भी काम किया गया है जो न्यूरोडीजेनेरेटिव स्थितियों में सुधार कर सकती हैं। उन्होंने बायोकेमिस्ट्री में एमएससी और पीएचडी पीजीआई से उत्तीर्ण की गई थी। इसके बाद पिछले दो दशक से वह पंजाब यूनिवर्सिटी के जैव रसायन विभाग में शैक्षणिक सेवाएं दे रहे हैं। उनकी ओर से कई शीर्ष रैंकिंग पत्रिकाओं में शोध आलेख प्रकाशित किए गए हैं। उनके साथ काम करने वाले एमएससी और पीएचडी के उम्मीदवार वर्तमान में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में प्रतिष्ठित पदों पर हैं। डॉ. संधीर को वर्ष 2021 में केटी शेट्टी मेमोरियल ओरेशन से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें दुनिया के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में भी शामिल किया गया है।

ਇਕ ਨਜ਼ਰ

ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਅਧਿਆਪਕ ਪ੍ਰੋ. ਰਜਤ ਸੰਧੀਰ ਨੂੰ ਐਵਾਰਡ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 9 ਜਨਵਰੀ (ਬਠਲਾਣਾ): ਪੰਜਾਬ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਅਧਿਆਪਕ ਪ੍ਰੋ. ਰਜਤ ਸੰਧੀਰ ਨੂੰ ਭਾਰਤੀ ਬਾਇਓ ਮੈਡੀਕਲ ਵਿਗਿਆਨ ਅਕਾਦਮੀ ਵਲੋਂ ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਅਭੋਦਾ ਮਹਾਦੀ ਐਵਾਰਡ-2022 ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਪੀਯੂ ਦੇ ਬੁਲਾਰੇ ਅਨੁਸਾਰ ਇਹ ਐਵਾਰਡ ਨੀਰ ਸਾਇੰਸ ਦੇ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਪਾਏ ਯੋਗਦਾਨ ਲਈ ਦਿਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।